

विषयानुक्रमिका

पृष्ठ संख्या

प्रथम अध्याय - साम्प्रतिक संस्कृत काव्य
और उसके आधुनिक संदर्भ

(1-23)

(क) संस्कृत में आधुनिकता का प्रारम्भ

(ख) आधुनिकता के लक्षण

(ग) विषयनावीन्य

(घ) ग्राह्य और अग्राह्य के मध्य सीमा रेखा का अभाव

द्वितीय अध्याय - विभिन्नवाद एवं आधुनिक कविताओं
पर उनका प्रभाव

(24-83)

- साम्यवाद
- सामाजिक वास्तववाद
- अस्तित्ववाद
- राष्ट्रवाद
- रहस्यवाद
- विदेशजवाद
- स्वच्छन्दतावाद
- मनोविश्लेषणवाद
- अभिव्यक्तिवाद
- प्रभाववाद
- घनवाद
- प्रयोगवाद एवं प्रगतिवाद
- आकारवाद
- नारीवाद
- शाश्वततावाद
- जनवाद

तृतीय अध्याय - आधुनिक कविता में परिवर्तन

(84-126)

(1) बहिरंग परिवर्तन

- टाइपोग्राफी
- संदिग्धता
- शिल्पकला एवं चित्रकाव्य
- नाट्यप्रगीतकविता

- प्राचीन सूक्तिपरक वाक्यों के नव प्रयोग
- गणितीय संज्ञाओं का प्रयोग
- संवादकला

(2) अन्तरङ्ग परिवर्तन

- बिम्ब
- प्रतीक
- मिथ
- रूपक ग्रन्थि
- तरंग
- प्रतिबद्धता

चतुर्थ अध्याय - बदलते हुये सामाजिक मूल्य और
काव्य की दिशा

(127-169)

- राष्ट्रीय चेतना
- संस्कृत भाषा की उपेक्षा पर आक्रोश
- निषेधात्मक अभिव्यक्तियाँ
- सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन
- आध्यात्मिक दृष्टि
- विश्वयुद्ध और संहार
- राजनीति पर कटाक्ष
- नगरीकरण की प्रवृत्ति
- सामाजिक व्यवस्था पर रोष
- यात्रा-विषयक काव्य लेखन

पंचम अध्याय - आधुनिक कविता और व्यक्तित्व
विश्लेषण

(170-199)

- आधुनिक काव्य में सर्जक की भावक के प्रति उदासीनता
 - नारी विषयक काव्य योजना
 - (1) नारी के पारम्परिक रूप का परित्याग
 - (2) नारी शोषण एवं वेदना
 - (3) नारी स्वतन्त्रता का उद्घोष
 - (4) प्रेम की अभिव्यक्ति
- स्तुति विषयक काव्य योजना

षष्ठ अध्याय - भाषागत परिवर्तन

(200-235)

- व्यवहारिक शब्दों का प्रयोग
- सरल सहज भाषा शैली
- आँचलिक प्रयोग
 - (क) शब्दों की आँचलिकता
 - (ख) अभिव्यक्ति की आँचलिकता
 - (ग) विधाओं की आँचलिकता
- हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू का प्रभाव
- अतिप्रचलित संस्कृतेतर शब्दों का प्रयोग
- भाषागत स्खलन
- अनूदित काव्य

सप्तम अध्याय - छान्दस नवप्रयोग

(236-302)

- लोकधर्मी छन्द
 - गज़ल, कजरी, चैत्रक, लोरी, काव्याली, लावनी, गालिगीति, स्वागत गीत, दुमरी, दादरा, विविध रागों का प्रयोग, घनाक्षरी, सवैया, कुंडलियाँ, चतुष्पदी (चौपाई), स्कन्धहारीय, सोहर, लोकगीत, श्रावणगीत, रसिया, बटुकगीत और बाउलकाव्य
- वैदेशिक छन्द
 - सॉनेट, हाइकु, तान्का, सीजो आदि
- मुक्तछन्द कविता
- भङ्गीभणितियाँ

अष्टम अध्याय - अलंकार योजना

(303-336)

- उपमानों में नवीनता
- सजीवारोपण अलंकार
- अन्योक्ति का सफल प्रयोग
- वक्रोक्ति का चमत्कार
- प्रकृति का मानवीकरण
- उपमान और उपमेय के सार्थक प्रयोग
- अलंकार योजना में परिवर्तन

उपसंहार

(337-348)